

प्रपत्र,

आलोक कुमार वर्मा,
अपर सचिव एवं अपर विधि परामर्शी
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

श्री वी० मधुकर,
अधिवक्ता,
107, सुप्रीम इनक्लेव,
मयूर विहार फेज-1,
दिल्ली-110091

न्याय अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 25 मई, 2007

विषय- माननीय उच्चतम न्यायालय में उत्तराखण्ड राज्य की ओर से पैरवी/बहस किये जाने हेतु स्थायी अधिवक्ता के रूप में आवद्ध किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि शासन ने समस्त निवासस्थानों माननीय उच्चतम न्यायालय में उत्तराखण्ड राज्य का पक्ष प्रस्तुत करने के लिये आपको स्थायी अधिवक्ता के रूप में शारणादेश जारी होने की तिथि से अंतिम आदेशों तक आवद्ध किये जाने का निर्णय लिया है।

2. उक्त अधिवक्ता इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि यह किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. आपको उत्तराखण्ड शासन के शारणादेश संख्या-264/XXXVI(1)2007-43-एफ(1)/03 दिनांक 25.5.2007 (छायाप्रति संलग्न) द्वारा निर्धारित फीस अनुमन्य होगी।

4. मुझे यह भी कहने का निर्देश हुआ है कि यदि सहमत हों तो कृपया अपनी लिखित सहमति उत्तराखण्ड शासन की प्रेषित करने का कष्ट करें।

आदीप

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव

संख्या-266/XXXVI(1)2007-75-07 तदुद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, भाजरा, देहरादून।
- 2- महाअधिवक्ता, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
- 3- महासचिव, मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली।
- 4- सहायनियन्त्रक, मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल।
- 5- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर मुख्य सचिव/समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वरिष्ठ कार्याधिकारी, देहरादून।
- 8- विशेष कार्याधिकारी मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के सूचनार्थ।
- 9- श्री रमना श्रीवास्तव, अपर महाअधिवक्ता, उत्तराखण्ड शासन, 38 न्यू लायर्स चेंबर, भगवान दास रोड, नई दिल्ली।
- 10- समस्त एडवोकेट ऑन रिकार्ड, (उत्तराखण्ड शासन) उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली।
- 11- इतरता चैक अनुभाग/मिर्ता अनुभाग-5/माई फाईल N.I.C.

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव